भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 31 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1430 घंटे

विषय: i) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 02 अगस्त, 2025 को असम और मेघालय में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

ii) कल, 1 अगस्त से पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में वर्षा में उल्लेखनीय कमी आने की संभावना है।

iii) अगले 6-7 दिनों के दौरान मध्य और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में हल्की वर्षा की गतिविधियाँ होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 31 जुलाई, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

❖ पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, असम और मेघालय, ओडिशा और बिहार में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है। अधिक जानकारी के लिए कृपया **अनुलग्नक I देखें।**

i. मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ औसत समुद्र तल पर मानसून की द्रोणिका सामान्य स्थिति में चल रही है।
- ✓ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश के निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर बना हुआ है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ✓ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम बंगाल के गंगीय क्षेत्र के उत्तरी भागों के निचले से ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों पर बना हुआ है।
- ✓ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्वी राजस्थान के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर बना हुआ है।
- ✓ एक पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक द्रोणिका के रूप में देखा जा रहा है जो मोटे तौर पर अक्षांश 32°N के उत्तर में देशांतर 70°E के साथ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ✓ 31 जुलाई और 4 व 6 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर में; 31 जुलाई-6 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड; 31 जुलाई, 3 और 4 अगस्त को पंजाब; 31 जुलाई और 2-5 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़; 2-5 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 31 जुलाई और 3-5 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 31 जुलाई और 1 अगस्त को पश्चिमी राजस्थान; 31 जुलाई, 1 अगस्त और 3-6 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना तथा 31 जुलाई को राजस्थान में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और मैदानी इलाकों में कई/कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ✓ 02 अगस्त को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ 31 जुलाई से 06 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ बारिश और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 01 से 06 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 31 जुलाई से 03 और 06 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- ✓ 31 जुलाई से 7 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 जुलाई और 1 अगस्त को गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड; 31 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान बिहार; 31 जुलाई को ओडिशा; 1 अगस्त को छत्तीसगढ़; 31 जुलाई और 4-6 अगस्त के दौरान मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 2-4 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 2 और 3 अगस्त को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ-साथ आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ✓ 02-06 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, केरल और माहे में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ✓ अगले 5 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- ✓ अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और तेलंगाना में कुछ/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ✓ अगले 6-7 दिनों के दौरान क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ✓ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 31 जुलाई से 5 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:
  अरब सागर:
- ✓ 31 जुलाई और 4 अगस्त को गुजरात तट और उसके आसपास के समुद्री क्षेत्र; 31 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र; 31 जुलाई को केरल तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र; 31 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान कर्नाटक तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र; 31 जुलाई से 3 अगस्त के दौरान दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्से और 3 और 4 अगस्त को दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कई हिस्से; 31 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्से; 31 जुलाई के दौरान संपूर्ण मध्य अरब सागर और 1 अगस्त से 5 अगस्त के दौरान मध्य अरब सागर के अधिकांश हिस्से; 31 जुलाई से 2 अगस्त के दौरान उत्तरी अरब सागर के दक्षिणी हिस्से; 31 जुलाई से 5 अगस्त के दौरान सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, दक्षिण ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में जाने से बचें।

बंगाल की खाड़ी:

- ✓ 31 जुलाई को मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से; 01 अगस्त को पूर्व-मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ उत्तरी हिस्से; 31 जुलाई से 05 अगस्त के दौरान दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से; 31 जुलाई और 05 अगस्त के दौरान मन्नार की खाड़ी में जाने से बचें।

ii. 31 जुलाई से 03 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- ✓ **पूर्वी राजस्थान:** शाहपुरा सीनियर (जिला जयपुर) 16, मांडलगढ़ सीनियर (जिला भीलवाड़ा) 12, कोटपूतली (जिला जयपुर) 12, पीपलू सीनियर (जिला टोंक) 11, पावटा (जिला जयपुर) 9, विराटनगर सीनियर (जिला जयपुर) 8, जमवारामगढ़ सीनियर (जिला जयपुर) 7, टोंक तहसील सीनियर (जिला टोंक) 7, नीमकाथाना सीनियर (जिला जयपुर) सीकर) 7, अलवर सीनियर (जिला अलवर) 7;
- ✓ **झारखंड**: पुटकी डीवीसी (जिला धनबाद) 14, धनबाद (जिला धनबाद) 10, पुटकी (जिला धनबाद) 9, सिंदरी डीवीसी (जिला धनबाद) 8, चंदनकियारी (जिला बोकारो) 8, पंचेत (जिला धनबाद) 7, मैथन (जिला धनबाद) 7;
- ✓ पश्चिमी मध्य प्रदेश: इंदरगढ़ (जिला दतिया) 12, दतिया-आवास (जिला दतिया) 10, ब्यावरा (जिला राजगढ़) 8, अंबाह (जिला मुरैना) 7;
- ✓ **गांगेय पश्चिम बंगाल**: कैनिंग (जिला दक्षिण 24 परगना) 11, बांकुरा (सीडब्ल्यूसी) (जिला बांकुरा) 10, सागर द्वीप पीटीओ (जिला दक्षिण 24 परगना) 9, मो साल्टलेक (जिला उत्तर 24 परगना) 7, बांकुरा (जिला बांकुरा) 7;
- ✓ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: अम्फु कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग) 11, कलिम्पोंग (जिला कलिम्पोंग) 10, लावा (जिला कलिम्पोंग) 9, अलगराह (जिला कलिम्पोंग) 9, झालोंग (जिला कलिम्पोंग) 8, नामथांग (जिला नामची) 7;
- ✓ **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: राठ (जिला हमीरपुर) 11, टूंडला (जिला फिरोजाबाद) 8, मावी एफएमओ (जिला शामली) 8, बुढ़ाना (जिला मुजफ्फरनगर) 7, झांसी (जिला झांसी) 7;
- ✓ **पश्चिमी राजस्थान**: रतनगढ़ (जिला चूरू) 10;
- ✓ **असम और मेघालय**: सोनारी_आर्ग (जिला चराइदेव) 10, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 10, चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 9, शेल्ला (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7;
- ✓ **छत्तीसगढ़**: कुसमी (जिला बलरामपुर) 9;
- ✓ **बिहार**: डोभी (जिला गया) 9, शेरघाटी (जिला गया) 9, रफीगंज (जिला औरंगाबाद) 7;
- ✓ **हरियाणा**: बापौली (जिला पानीपत) 8, महम (जिला रोहतक) 8, मनेठी रेव (जिला रेवाड़ी) 7, रोहतक रेव (जिला रोहतक) 7;
- ✓ **पंजाब**: मालेरकोटला (जिला संगरूर) 8;
- ✓ **पूर्वी मध्य प्रदेश:** देवेन्द्रनगर (जिला पन्ना) 8;
- ✓ **ओडिशा**: औल (जिला केंद्रपाड़ा) 8, जोशीपुर (जिला मयूरभंज) 7

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	31- Jul	1- Aug	2- Aug	3- Aug	4- Aug	5- Aug	6- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
9	BIHAR	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	WS	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

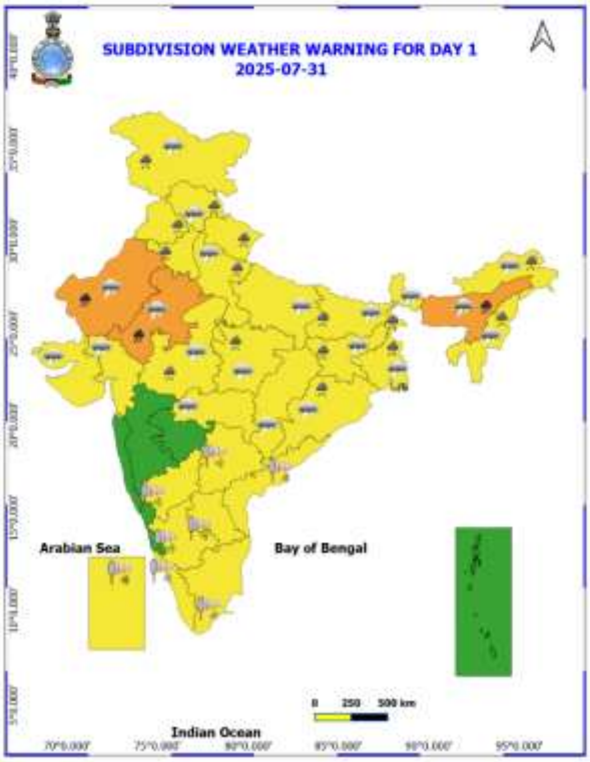
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

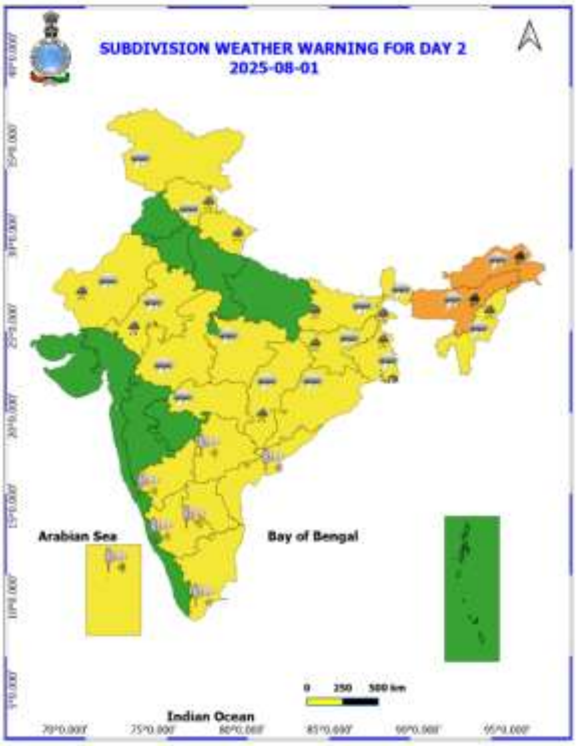
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

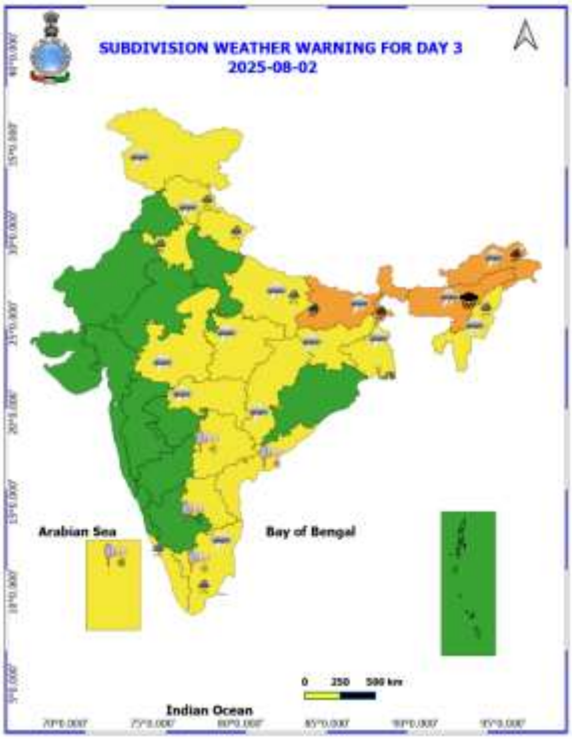
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

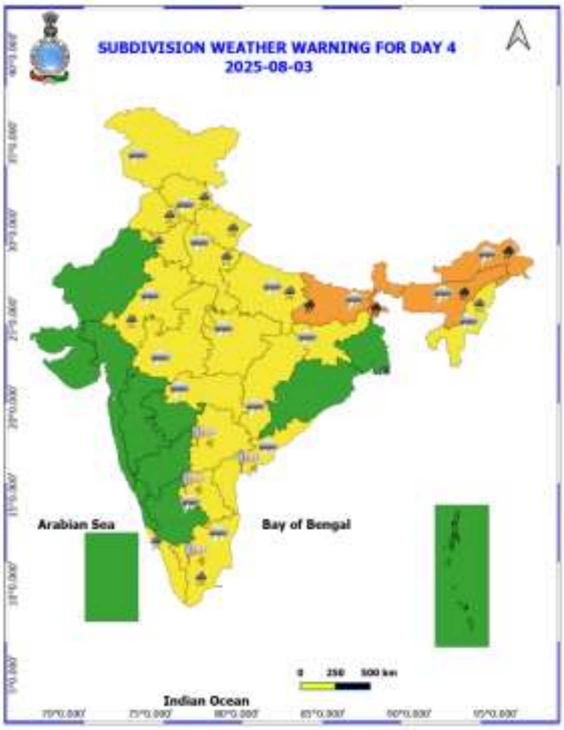

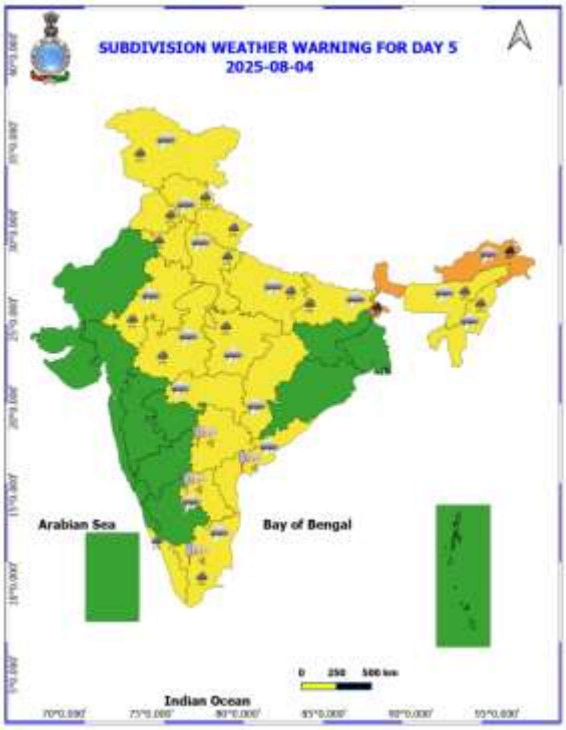

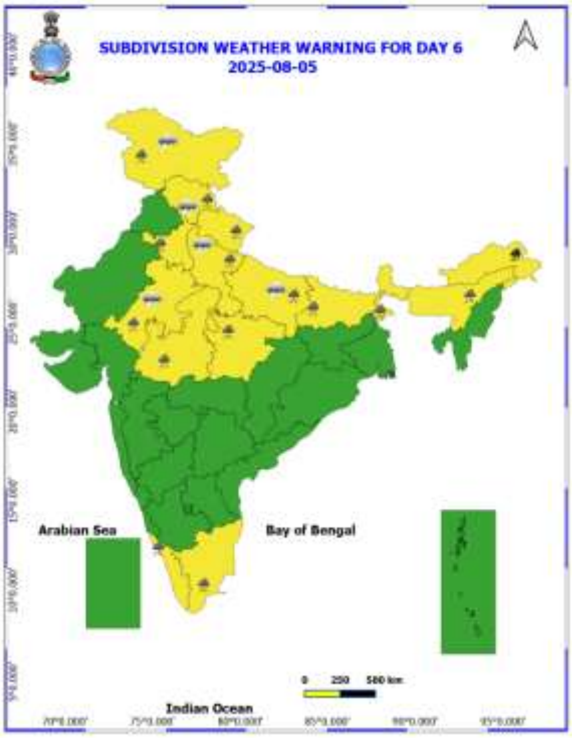

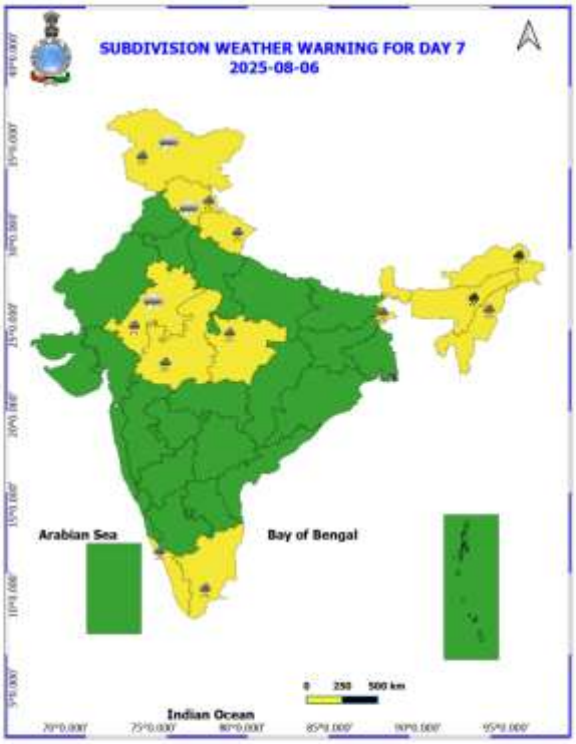

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

31 जुलाई से 3 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1-2°C तक की वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 24 से 26°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवा के साथ आमतौर पर बादल छाए रहे। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जबकि कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई। आज दोपहर में उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलने वाली हवा के साथ आमतौर पर बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

31.07.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकांश स्थानों पर हल्की बारिश के एक से दो दौर और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश की संभावना है, साथ ही गरज/बिजली के साथ बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह और दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 5-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 5-10 किमी प्रति घंटे के आसपास ही रहेगी।

01.08.2025: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ उत्तर-पूर्व दिशा से चलेंगी, जिनकी गति 5-10 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति बनी रहेगी।

02.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4°C तक कम रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे से कम की हवा की गति के साथ चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। शाम और रात के दौरान यह पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

03.08.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। गरज/बिजली के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश होगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलने की संभावना है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 15-20 किमी प्रति घंटे तक बढ़ जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति 5-10 किमी प्रति घंटे के आसपास बनी रहेगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव एवं सुझावित कार्रवाई:

• सावधानी बरतें और आवश्यक एहतियाती कदम उठाएं क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
• खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की शाखाएं टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर क्षति, कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
• लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और यदि स्थिति खराब हो तो सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।

- घर के अंदर रहें, खिड़की-दरवाज़े बंद करें और यात्रा से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकालें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं और सभी विद्युत प्रवाहक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 31 जुलाई को राजस्थान में; 01-06 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 31 जुलाई - 03 और 06 अगस्त के दौरान असम और मेघालय; 02-04 के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 02 और 03 अगस्त को बिहार में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 02 अगस्त को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में, **उप-आर्द्र दक्षिणी मैदान और अरावली पर्वतीय क्षेत्र** तथा **बाढ़ प्रवण पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में मूंग, बाजरा, ग्वार और तिल के खेतों से तथा **अर्ध-शुष्क पूर्वी मैदानी क्षेत्र** में बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था करें। **पश्चिमी राजस्थान** में, **शुष्क पश्चिमी मैदानी क्षेत्र** में मूंग, तिल, मोठ, ग्वार और बाजरा तथा **अंतर्देशीय जल निकासी के संक्रमणकालीन मैदानी क्षेत्र** में बाजरा और मूंगफली के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ➢ **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक रागी की बुवाई और धान की नई रोपाई (निचली भूमि में) स्थगित रखें। पहले से बोए गए रागी, मक्का और डब्ल्यूआरसी धान के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- ➢ **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में जूट और साली धान के खेतों में; **उत्तरी तट मैदानी क्षेत्र** में साली धान और गन्ना के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों और सुपारी के बागानों में; **बराक घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में तथा **मध्य ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में** साली धान की नर्सरियां, मक्का, जूट, गन्ना, सब्जियों और रोपित साली धान के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **मेघालय** में, खासकर घाटी वाले इलाकों में, नर्सरी में धान की बुवाई न करें। नर्सरी क्यारियों के आस-पास उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें और निचले इलाकों में धान के खेतों में मेड़ों की मरम्मत करें।
- ➢ **मिज़ोरम** में, मक्के के पके हुए भुट्टों की कटाई करें। वर्षा जल को रोकने और अपवाह को कम करने के लिए धान के खेतों के चारों ओर मज़बूत मेड़ बनाएँ।

- **मध्य प्रदेश** में **गिर्द क्षेत्र** में उड़द, मूंग, सोयाबीन, बाजरा और सब्जियों के खेतों में; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मूंगफली, उड़द और कपास के खेतों में; **विंध्य पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, धान, मक्का और अरहर के खेतों में तथा **बुंदेलखंड क्षेत्र** में धान और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **बिहार** में, **दक्षिण बिहार जलोढ़ क्षेत्र** में धान, अरहर, खरीफ मक्का, भिंडी के खेतों और बागानों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में तथा **तटीय लवणीय क्षेत्र** में सब्जी की क्यारियों, खड़ी सब्जी की फसलों और पान के बागानों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में धान, **पहाड़ी क्षेत्र** में उड़द और **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, बाजरा, रागी और खीरे के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, **उप-पर्वतीय एवं निचले पहाड़ी उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** के निचले इलाकों में जलभराव से बचाव हेतु धान, मक्का, दालों और सब्जियों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (जैसे, टमाटर, शिमला मिर्च) के लिए पौधों के सहारे को मजबूत करें। **उच्च पहाड़ी उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में, सब्जियों, मक्का, रागी और राजमा में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

01-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिले।
उत्तराखंड - बागेश्वर, चमोली और पिथौरागढ़ जिले।
जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख से सटे - डोडा, कठुआ और उधमपुर जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।

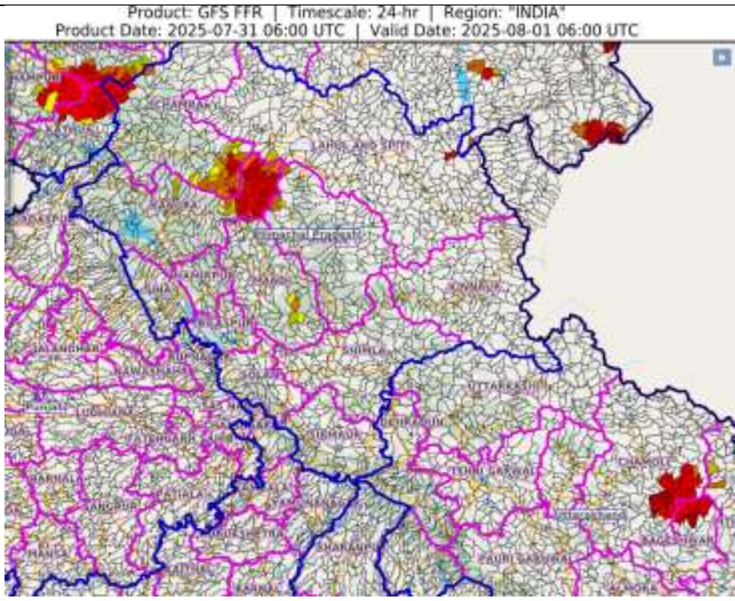

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

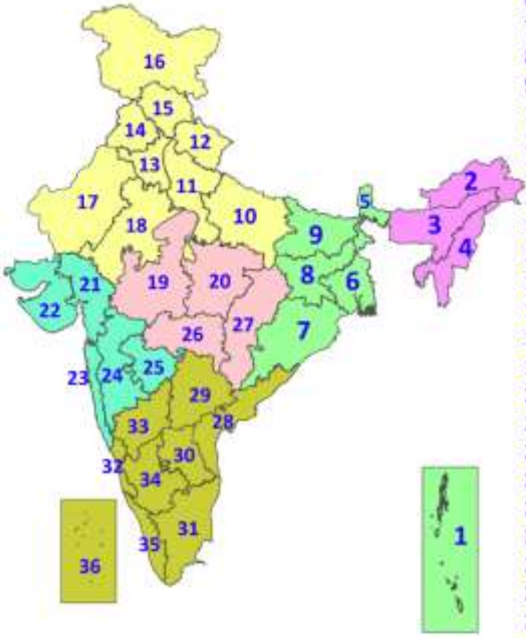

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)